विकास औद्योगीकरण की समानांतर प्रक्रिया: जयंत

आईआईएम

रांची | प्रमुख संवाददाता

आईआईएम रांची के 2018-20 बैच के विद्यार्थियों का इंडक्शन कार्यक्रम शनिवार को सीएमपीडीआई के मयूरी हॉल में आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा ने हिस्सा लिया। उन्होंने भविष्य के उद्यमियों को कृषि से उद्योग तक के विकास का मॉडल बताया। जयंत ने जोर देकर कहा कि समृद्धि की दिशा में देश को चलाने के लिए युवा उद्यमियों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

आईआईटी दिल्ली, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय और हावर्ड बिजनेस स्कूल में अध्ययन करनेवाले जयंत सिन्हा ने लंबा व्याख्यान देने की बजाए प्रतिभागियों से पूछा कि वे उनके बारे में क्या जानना चाहेंगे, देश के विकास का मॉडल या अपने व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से करियर के विकास के मार्गो की खोज। विद्यार्थियों का जवाब था, देश के विकास का मॉडल।

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जयंत ने विश्व स्तर पर स्वीकार्य खेत से कारखाने तक के विकास मॉडल के साथ शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भारत में कारखाना विकास का अंतिम गंतव्य नहीं था। इसे विस्तार दिया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि रांची खेत से कारखाने तक के विकास का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा लगभग 70 साल पहले रांची एक छोटा सा गांव था, जहां ज्यादातर लोगों के लिए कृषि आजीविका का एकमात्र स्रोत था। एचईसी और कुछ सहायक इकाइयों जैसे भारी उद्योगों के आगमन के साथ इसका चेहरा धीरे-धीरे बदलना शुरू हो गया। झारखंड के अन्य शहरों के साथ भी यही मामला था। फिर वह एक काल्पनिक चरित्र हुकुमदेव महतो, का उदाहरण दिया। जो अपने खेतों में जी तोड़ मेहनत करता है, लेकिन एक सभ्य जीवन व्यतीत करने के लिए पर्याप्त कमाई नहीं कर पाता। वह ढाबा या ईंट भट्ठी में काम करने को तैयार नहीं। उसे एक अच्छी नौकरी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर हुकुमदेव ने बरसात के मौसम में धान की खेती की प्रतीक्षा करने की बजाय नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग होता, जो कमाई बढ़ती।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर प्रति व्यक्ति भारत का सकल घरेलू उत्पाद प्रति वर्ष 8.5 प्रतिशत पर बढ़ रहा है, तो विकसित देशों के साथ असमानता बनी रहेगी। सरकार उत्पादकता में सुधार और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सुविधाएं प्रदान कर सकती है, लेकिन सकारात्मक परिणामों के लिए युवा शोधकर्ताओं और उद्यमियों के ईमानदार प्रयास की भी जरूरत है।

सीएमपीडीआई सभागार में शनिवार को आईआईएम रांची के विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देते केंद्रीय उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा।

सवालों के जवाब दिए

व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र चला। असम की एक छात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा कि उत्तर-पूर्वी राज्यों के विभिन्न शहरों के लिए रेल, सड़क और वायु कनेक्टिविटी में सुधार लाने के लिए मोदी सरकार की ओर से नई पहल का विस्तार किया गया है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला। एक और सवाल के जवाब में, उन्होंने स्पष्ट किया कि आयात पर ब्लैकेट प्रतिबंध भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं करेगा। देश को उपभोक्ता अनुकूल प्रतिस्पर्धी बाजारों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब कंप्यूटर आया, तो कई लोगों ने निंदा की थी कि इससे उनकी रोजी-रोटी छिन जाएगी। लेकिन, सच्चाई यह है कि कंप्यूटर ने रोजगार के बड़े अवसर पैदा किए हैं। मौके पर आईआईएम के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह व अन्य शिक्षकगण समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

Hindustan, 24.06.2018, Pg. 21